चेतुर्वेद

जिसमें उपदेश पूर्ण सचित्र
चार गल्प हैं

श्रीयोगीन्द्रनाथ समाद्दार, प्रोफेसर,
पटना कौलेज़, पटना

पहली बार १०००] [मूल्य ॥/) आना ।